[श्री वृद्धि चन्द्र जैन]

अतः निवेदन है कि केन्द्र सरकार राजस्थान प्रान्त के रेगिस्तानी बाड़मेर, जैसलमेर, जोधपुर, नागौर, बीकानेर, चूरू एवं गंगानगर जिलों में पीने के पानी के स्थायी हल के लिए राजस्थान नहर के लिफ्ट एवं फ्लो कैनाल द्वारा ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में पानी पहुंचावे और सातवीं पचवर्षीय योजना में इसके लिए पूरा प्रावधान कमावे और पीने के पानी को सबसे अधिक प्राथमिकता दे ।

(xxix) Need to complete the construction of Var-Bilara railway line by next year

श्री मूलचन्द डागा (पाली) : सभापति महोदय, देश में पिछले दो वर्षों मे अनेक नई रेलें चलाई गई हैं जिससे जनता को लाभ पहुंचाना है और इसी आशा को रखकर एक रेलवे लाईन, वर से बिलाड़ा तक का मई 1983 में सर्वे पूरा हुआ । इस सर्वे के आधार पर नई रेलवे लाइन डालने में सरकार का केवल 10.97 करोड़ रुपया खर्च होने का अनुमान लगाया गया है । सरकार का यह कहना कि यह आर्थिक दृष्टि से उपयोगी नहीं होगी, ठीक नहीं है । यह रेल जिस क्षेत्र से गुजरेगी वह आर्थिक दृष्टि से भरा पूरा क्षेत्र है । तीन-तीन फसलें यह क्षेत्र पैदा करता है और वाणिज्यिक फसलें पैदा होती हैं तथा देश के कोने-कोने में मेंहदी, जीरा, कपास, तिलहन आदि फसलें जाती हैं । धरती बहुत उपजाऊ है और इस रेल लाइन के किनारे-किनारे छोटे और बड़े अनेकों कस्बे हैं । जैसे कालूपुर, निमोढ़, जैतारण, कुशालपुरा, देवरिया, तालकिया, विराटिया बिलाड़ा आदि ।

यह कि जिन लोगों को दिल्ली से जोधपुर जाना होता है, उन्हें मारवाड़ जंक्शन होकर जाना पड़ता है । जब यह नई रेलवे लाइन बन जायेगी तो सभी यात्री सीधे घर से बिलाड़ा होते हुए जोधपुर चले जायेंगे तथा उनके जो 6 घंटे का समय बर्बाद होता है, वह भी बच सकेगा । आर्थिक दृष्टि से यह रेलवे लाइन लगानी होगी तथा इसमें कोई घाटा रेलवे को नहीं होगा ।

अतः मैं रेल मंत्री जी से अनुरोध करूंगा कि छोटी सी लागत से बनने वाली इस रेलवे लाइन, जिसका सर्वे डेढ़ वर्ष पूर्व हो चुका है, का निर्माण कार्य आगामी वर्ष में पूरा कराने की घोषणा सदन में करें ।

(xxx) Need to set up the proposed Ferro Vanadium Plant at Jharadi in Mayurbhanj, Orissa during 1984-85

SHRI MANMOHAN TUDU (Mayurbhanj) : Sir, the Government of India had a proposal to set up a Ferro Vanadium Plant at Jharadi near Rairangpur i.e., Mayurbhanj district, Orissa. This plan was rooted as many as three decades ago. I, as a Member of Parliament from Mayurbhanj Constituency has raised this issue several times to know the steps taken to establish that Project. In the year, 1983 to one of my Unstarred Questions, the hon. Minister of Industry had assured that the plant would be set up during 1983-84 financial year. But it is unfortunate that the project has not been taken up so far.

Mayurbhanj district is abundant in minerals and Rairangpur is a suitable place for the location of the Ferro Vandarium Plant. All sorts of infrastructural facilities are available in that district at a cost comparatively much cheaper than other place in the country. If the plant is established, it can generate employment opportunities for the local youths. As the district is industrially backward and it is situated

in a tribal belt, the Ferro-Vandaniam Plant should be set up as early as possible. The local people are very much agitated due to the inordinate delay in the establishment of plant.

I demand that the Ferro-Vanadium Plant should be set up at Jharadi near Rairangpur in Mayurbhanj district during the 1984-85 financial year.

(xxxi) Need for having a code for blood donation and need for formulation of blood policy

SHRI C. CHINNASWAMY (Gobichettipalayam) : Sir, The need for formulation of blood policy' should be given due consideration by the Government. As of today, the quality and level of blood transfusion services in India leave much to be desired. About 30% of donors in India are those who are selling blood for money and the bad effects of such a practice is known to the medical community. Doctors are of opinion that some diseases can be transmitted by blood obtained from commercial donors. There should be a code of the ethics is blood banking and the formulation of blood policy and a national blood programme by integrating Community responsibility for blood donation with clinical capabilities would make trrnsfusion safe for both the donor and the recipient. What is needed is a voluntary blood donation system and if every healthy person donated blood only a few times in his life time, the system could be greatly improved.

श्री चन्द्रपाल शैलानी (हाथरस) : सभापति महोदय, उत्तर प्रदेश के ओबरा, हरदुआगंज तथा पनकी बिजलीघरों में कई दिनों से हड़ताल चल रही है। उसकी वजह से समूचा उत्तर प्रदेश अंधकार में डुबा हुआ है। अब उस हड़ताल में इंजीनियर और जूनियर इंजीनियर भी शामिल हो गए हैं, जिसकी वजह से उद्योगों को दी जाने वाली बिजली में भारी कटौती कर दी गई है। इसका परिणाम यह है कि मिलों, कारखानों और फैक्टरियों में उत्पादन ठप्प हो गया है।

यही नहीं पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भयंकर सूखा, भी पड़ रहा है। नलकूपों को बिजली नहीं मिल रही है। मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि वह स्वयं इस मामले में हस्तक्षेप करे और बिजली के कर्मचारियों की हड़ताल को समाप्त कराएं जिस से वहां का अन्धेरा दूर हो तथा उद्योग धन्धों और कृषि के कार्यों के लिए बिजली की सप्लाई हो सके।

MR. CHAIRMAN : You have said whatever you wanted to say and you have said. But it is a State subject.

SHRI CHANDRAJIT YADAV (Azamgar) : Sir, he has raised a very important issue. I was in Lucknow only yesterday. Two Minister had gone, but nothing has come out. The whole State is suffering...

MR. CHAIRMAN : The procedure has to be observed. He has mentioned his point. It is there.

SHRI CHANDRAJIT YADAV : Something must be done. The Government there has, really speaking, failed to find any solution. The Central Government must intevene.

MR. CHAIRMAN : Your observation does not come into this. He has already said what he has said. Why are you worried ?

SHRI CHANDRAJIT YADAV : I come from that State. My people are suffering. Please ask the Government to do something in that regard. At least that much, you must say.

MR. CHAIRMAN : The point has been made, and that is enough. Mr. R.L.P. Varma.